वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार किए जाने की आवश्यकता है - लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2015 : संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री बान की मून ने आज संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन से मुलाक़ात की।

श्रीमती महाजन ने 18 नवम्बर, 2014 को न्यूयॉर्क में हुए संसदों के अध्यक्षों के चौथे विश्व सम्मेलन की प्रारंभिक बैठक के दौरान श्री मून के साथ हुई मुलाक़ात का उल्लेख करते हुए इस बात पर खुशी व्यक्त की कि श्री मून ने अपनी पत्नी सहित 'वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन' में आने का निमंत्रण स्वीकार किया और आशा व्यक्त की कि उनकी गुजरात यात्रा और भारत के माननीय प्रधान मंत्री से भेंट सफल और संतोषजनक रहेगी।

लोक सभा अध्यक्ष ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किये जाने के संकल्प को संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्वीकार किये जाने की सराहना की और आशा व्यक्त की कि इससे पूरे विश्व में सभी आयु के लोगों को लाभ मिलेगा।

इस बात पर जोर देते हुए कि संयुक्त राष्ट्र और इसकी सुरक्षा परिषद का विस्तार भारत के लिए प्राथमिकता का विषय है, श्रीमती महाजन ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार किए जाने की आवश्यकता है तथा अन्य विकासशील देशों को इसके स्थायी और गैर स्थायी सदस्यों के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। अध्यक्ष का मानना है कि सुधार न होने के कारण सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता और कारगरता प्रभावित हुई है और आशा व्यक्त की कि श्री मून के नेतृत्व में संयुव्त राष्ट्र की 70 वीं वर्षगाँठ के अवसर पर संयुव्त राष्ट्र में तत्काल सुधार होंगे।

श्रीमती महाजन ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित देशों को गरीबी दूर करने और लोगों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए विकासशील देशों को अधिक वित्तीय और अन्य संसाधन प्रदान करने चाहिए। जलवायु संबंधी शिखर सम्मेलन आयोजित करने की श्री मून की पहल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित देश विकासशील देशों के समक्ष चुनौतियों का सामना करने में उनकी सहायता करने के वचन को पूरा करेंगे।

इस बात पर जोर देते हुए कि विश्व के कुछ भागों में आतंकवाद की हाल की घटनाएं सम्पूर्ण अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय हैं, श्रीमती महाजन ने कहा कि आतंकवाद की गतिविधियों की सभी राष्ट्रों द्वारा सर्वसम्मति से निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने यह अनुरोध भी

किया कि न केवल आतंकवाद के विरुद्ध बल्कि उन सब देशों के विरुद्ध भी कार्यवाही की जानी चाहिए जो ऐसे ग्रुपों को शरण देते हैं या आतंकवादियों को पनाह देते हैं।

प्रत्युत्तर में, श्री मून ने कहा कि विश्व की बदली हुई परिस्थितियों में भारत एक ऐसा महत्वपूर्ण देश बन गया है जो विश्व की नियति को निर्धारित कर रहा है। शांति कायम करने, 'डेमोक्रेसी फण्ड और अन्य वैश्विक पहलों में भारत के योगदान की सराहना करते हुए, श्री मून ने कहा कि भारत पूरे विश्व में विवादास्पद मुद्दों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्री मून ने 'वाइब्रेंट गुजरात' और ऐसे अन्य समारोहों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि इनसे भारत को विश्व अर्थव्यवस्था में सार्थक रूप से शामिल करने में मदद मिलेगी। 'जलवायु परिवर्तन संबंधी चर्चाओं में भारत की भूमिका पर जोर देते हुए श्री मून ने कहा कि एक जैसी साझी समस्याएं सुलझाने के लिए 'वैश्विक समाधान' राष्ट्रीय प्रयासों से हमेशा बेहतर होते हैं।